यूपी बोर्ड वार्षिक परीक्षा 2023

साहित्यिक हिन्दी

कक्षा 11 (केवल प्रश्न-पत्र)

समय: 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 100

निर्देश--- सभी प्रश्न ध्यानपूर्वक पढ़ें|

प्रारम्भ के 15 मिनट का समय परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

खण्ड - क

1.छायावादोत्तर गद्य युग के लेखक हैं — 1

(क)श्यामसुंदर दास

(ख) वासुदेव शरण अग्रवाल

(ग) वियोगी हरि

(घ)भारतेंदु हरिश्चंद्र

2.वर्ण रत्नाकर के रचनाकार है — 1

(क)चौदहवीं शताब्दी

(ख)पन्द्रोहीवीं शताब्दी

(ग)सोलवीं शताब्दी

(घ)इनमें से कोई नहीं

3.भारतेंदु युग के निबंधकार हैं — 1

(क)बालकृष्ण भट्ट

(ख)श्यामसुंदर दास

(ग)बाबू गुलाब राय

(घ)रामचंद्र शुक्ल

4. आचार्य महावीर प्रसाद ने सरस्वती पत्रिका का संपादन आरंभ किया— 1

(क)सन् 1930 से

(ख)सन् 1920 से

(ग)सन् 1925 से

(घ)सन् 1947 से

5.प्लेग की चुड़ैल गति की किस विधा की रचना है— 1

(क)नाटक

(ख)एकांकी

(ग)कहानी

(घ)उपन्यास

1.प्रयोगवादी कवि हैं — 1

(क)महादेवी वर्मा

(ख)सुमित्रानंदन पंत

(ग)निराला

(घ)गिरिजाकुमार माथुर

2.भक्तिकाल की रचना हैं — 1

(क)साकेत

(ख)विनय पत्रिका

(ग)लहर

(घ)प्रेम माधुरी

3.रीतिकाल का दूसरा नाम है — 1

(क)श्रृंगार काल

(ख)भक्तिकाल

(ग)व्याकरण काल

(घ)काव्यशास्त्र काल

4.निम्नलिखित में से कौन सगुण भक्ति शाखा के कवि नहीं हैं — 1

(क)सूरदास

(ख)मीराबाई

(ग)तुलसीदास

(घ)जायसी

5.अज्ञेय की रचना नहीं है — 1

(क)हरी घास पर क्षण भर (ख)सुनहले शैवाल

(ग)आंगन के पार द्वार (घ)दूध बताशा

3.गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए — 10

यह समय ऐसा है कि उन्नति की मानो घुड़दौड़ हो रही है। अमेरिकन अँगरेज फरासीस आदि तुरकी ताजी सब सरपट दौड़े जाते हैं। सबके जी यही है कि पाला हमी पहले छू लें। उस समय हिन्दू काठियावाड़ी खाली खड़े-खड़े टाप से मिट्टी खोदते हैं। इनको औरों को जाने दीजिए जापानी टट्टुओं को हाँफते हुए दौड़ते देख करके भी लाज नहीं आती। यह समय ऐसा है कि जो पीछे रह जाएगा फिर कोटि उपाय किये भी आगे न बढ़ सकेगा। इस लूट में इस बरसात में भी जिसके सिर पर कम्बख्ती का छाता और आँखों में मूर्खता की पट्टी बँधी रहे उन पर ईश्वर का कोप ही कहना चाहिए।हैं। " इस पंक्ति के माध्यम से लेखक ने कौन-सी बात कही है?

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) लेखक ने कहाँ के निवासियों को जापानी टट्टुओं की संज्ञा दी है?

(iv) प्रस्तुत गद्यांश के माध्यम से लेखक ने भारतवासियों को क्या सुझाव दिया है?

(v)"उस समय हिन्दू काठियावाड़ी खाली खड़े-खड़े टाप से मिट्टी खोदते

अथवा

महामहिम भगवान मधुसूदन जिस समय कल्पांत में समस्त लोकों का प्रलय, बात की बात में कर देते हैं, उस समय अपनी समधिक अनुरागवती श्री (लक्ष्मी) को धारण करके उन्हें साथ लेकर क्षीर सागर में अकेले ही जा विराजते हैं। दिन चढ़ आने पर महिमामय भगवान भास्कर भी, उसी तरह एक क्षण में, सारे तारा- लोक का संहार करके, अपनी अतिशायिनी श्री (शोभा) के सहित, क्षीर सागर ही के 3 समान आकाश में, देखिए अब यह अकेले ही मौज कर रहे हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने सूर्य, उसकी आभा एवं आकाश को किसके समान चित्रित किया है?

(iv) भगवान विष्णु लक्ष्मी जी को लेकर कहाँ विराजते हैं?

(v) गद्यांश में किस समय के सौन्दर्य का आलंकारिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है?

4.पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए 10

मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै ।

जैसे उड़ि जहाज को पंछी, फिरि जहाज पर आवै ।।

कमल-नैन कौ छाँड़ि महातम, और देव कौ ध्यावै ।

परम गंग कौ छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै ।।

जिहिं मधुकर अंबुज रस चाख्यौ, क्यों करील-फल भावै

सूरदास प्रभु कामधेनु तजि, छेरी कौन दुहावै ।।

(!)उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम बताइए

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सूरदास किसकी भक्ति में परम सुख का अनुभव करते हैं?

(iv) जहाज का पक्षी किसे कहा गया है?

(v) सूरदास ने भगवान कृष्ण की भक्ति को त्यागकर अन्य देवताओं की भक्ति करने को क्या बताया है?

अथवा

बालधी बिसाल बिकराल ज्वाल- जाल मानौं,

लंक लीलिबे को काल रसना पसारी है ।

कैधौं ब्योमबीथिका भरे हैं भूरि धूमकेतु,

बीररस बीर तरवारि सी उधारी है ।

तुलसी सुरेस चाप, कैधौं दामिनी कलाप,

कैंधौं चली मेरु तें कृसानु - सरि भारी है ।

देखे जातुधान जातुधानी अकुलानी कहैं,

"कानन उजार्यो अब नगर प्रजारी है" ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक और कवि का नाम बताइए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(i!i) किसे देखकर लगता है मानो लंका को निगलने के लिए काल ने अपनी जिह्वा फैलाई है?

(iv) हनुमान जी के विकराल रूप को देखकर निशाचर और निशाचरियाँ व्याकुल होकर क्या कहती हैं?

(v) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस रस में मुखरित हुई हैं?

5.(क)निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए (शब्द सीमा अधिकतम 80) 5

(1)भारतेंदु हरिश्चंद्र

(2)श्यामसुंदर दास

(3)डॉ संपूर्णानंद

(ख)निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्य परिचय एवं उनकी महत्वपूर्ण रचनाओं का उल्लेख कीजिए सीमा (शब्द अधिकतम 80) 5

(1)महाकवि भूषण

(2)सूरदास

(3)तुलसीदास

6. कथानक के आधार पर 'बलिदान' अथवा 'ध्रुवयात्रा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(शब्द सीमा अधिकतम - 80) 5

अथवा 'आकाशदीप' अथवा 'समय' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित नाटक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए।

(शब्द सीमा अधिकतम 80) 5

(i) 'कुहासा और किरण' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर कृष्ण चैतन्य का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'सूतपुत्र' नाटक के चतुर्थ अंक की समीक्षा कीजिए। अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्र चित्रण कीजिए

(ii) 'राजमुकुट' नाटक के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए । अथवा

'राजमुकुट' नाटक की संवाद - कला पर प्रकाश डालिए।

(iv) 'आन का मान' नाटक के आधार पर औरंगजेब का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा 'आन का मान' नाटक की मूल भावना पर प्रकाश डालिए ।

(v) 'गरुड़ध्वज' नाटक के नायक विक्रममित्र का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा 'गरुड़ध्वज' नाटक की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

8.(क)निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशो में से किसी एक का संदर्भ हिंदी में अनुवाद कीजिए 7

राष्ट्रभाषा - हिन्दी-प्रचारे संलग्नं हिन्दीसाहित्यसम्मेलनम् अत्र स्थितम् । अत्रैव च अनेकसहस्रसङ्ख्यैः देशविदेशविद्यार्थिभिः परिवृतः विविधविद्यापारङ्गतैः विद्वद्वरेण्यैः उपशोभितः प्रयागविश्वविद्यालयः भरद्वाजस्य प्राचीन-गुरु-कुलस्य नवीनं रूपमिव शोभते । स्वतन्त्रेऽस्मिन भारते प्रत्येकं नागरिकाणां न्यायप्राप्तेरधिकारघोषणामिव कुर्वन् उच्चन्यायालयः अस्य नगरस्य प्रतिष्ठां वर्द्धयति ।

अथवा

अस्योपत्यकायां विद्यमानः कश्मीरो देशः स्वकीयाभिः सुषमाभिः भूस्वर्ग इति संज्ञया अभिहितो भवति लोके, ततश्च पूर्वस्यां दिशि स्थितः किन्नर - देशो देवभूमिनाम्ना प्राचीनसाहित्ये प्रसिद्धः आसीत् । अद्यापि 'कुलूघाटी' इति नाम्ना प्रसिद्धोऽयं प्रदेशः रमणीयतया केषां मनो न हरति । शिमला - देहरादून-मसूरी - नैनीताल-प्रभृतीनि नगराणि देशस्य सम्पन्नान् जनान् ग्रीष्मर्तौ बलादिव भ्रमणाय आकर्षन्ति । एभ्योऽपि पूर्वस्मिन् भागेऽवस्थितः रमणीयतमः प्रदेशः कामरूपतया 'कामरूप' इति संज्ञया अभिधीयते ।

(ख)निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशो में से किसी एक का ससंदर्भ हिंदी में अनुवाद कीजिए 7

आचाराल्लभते ह्यायुराचाराल्लभते श्रियम् ।
आचारात् कीर्तिमाप्नोति पुरुषः प्रेत्य चेह च ॥

अथवा

य एनं वेत्ति हन्तारं यश्चैनं मन्यते हतम |
उभौ तौ न विजानीतो नायं हन्ति न हन्यते ।।

9.निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए 4

(1) ऋषेः भरद्वाजस्य आश्रमः कुत्रास्ति ?

(2) पुरुरवस्य राजधानी का आसीत् ?

(3) रूपं केन रक्ष्यते ?

(4) यत्नेन किं संरक्षेत्?

10.(क) 'हास्य रस' अथवा 'भयानक रस' का स्थायी भाव के साथ परिभाषा या उदाहरण दीजिए। 2

(ख) 'प्रतीप' अथवा 'अनुप्रास' अलंकार की परिभाषा या उदाहरण दीजिए। 2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'कुण्डलीया' छन्द की मात्राओं के साथ उदाहरण या परिभाषा दीजिए। 2

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध - लिखिए 9

(i) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान

(ii) भारत में भ्रष्टाचार की समस्या

(iii) आतंकवाद समस्या एवं समाधान

(iv) संक्रामक रोग का कारक कोरोनावायरस

(v) पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं

12.(क) (i) 'प्रेजते' का संधि-विच्छेद है 1

(अ) प्र + जते (ब) प्रेज + तें

(द) प्रए + ज (स) प्र + एजते

(ii) 'सज्जनः' का संधि-विच्छेद है— 1

(अ) सत् + जनः (ब) सद् + जनः

(स) सज्ज + नः (द) सज + जनः

(ख) (i)'नीलोत्पलम्' में समास है 1

(अ) द्वन्द्व समास (ब) द्विगु समास

(स) कर्मधारय समास (द) अव्ययीभाव समास

(ii) 'यथाकामम्' में समास है - 1

(अ) द्विगु समास (ब) द्वन्द्व समास

(स) कर्मधारय समास (द) अव्ययीभाव समास

13. (क) 'स्थास्यामः' अथवा 'पिबत' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है? - 2

(ख) 1.'नयेः' रूप होता है, 'नी' धातु के - 1

(i) लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का

(ii) लोट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन का

(iii) लृट् लकार, मध्यम पुरुष, द्विवचन का

(iv) विधिलिङ्, मध्यम पुरुष, एकवचन का

2.'पठिष्यसि' रूप होता है 'पठ्' धातु के - 1

(i) लृट् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन का

(ii) लृट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन का

(iii) लृट् लकार, उत्तम पुरुष, द्विवचन का

(iv) लृट् लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन का

(ग) (i)'नीत्वा' शब्द में प्रत्यय है - 1

(अ) तत्यत् (ब) त्त्वा

(स) नत्वा (द) तल्

(ii) 'महत्वम्' शब्द में प्रत्यय है

(अ) तल् (च) त्व

(स) तव्यत् (द) त्त्वा

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए—2

(i) पुष्पं परितः भ्रमराः सन्ति

(ii) छात्रेषु अनिलः श्रेष्ठः ।

(iii)नरेशःअक्ष्णा काणः अस्ति।

14. निम्नलिखित में किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए - 4

(i) संसार में सभी लोग सुख चाहते हैं।

(ii) श्री कृष्ण योगेश्वर थे।

(ii) मेरे विद्यालय के पास एक वाटिका है।

(iv) तुम क्या चाहते हो ?